एफएलओ नॉर्थ ईस्ट एनुअल वूमेन्स अचिवर्स अवार्ड समारोह में माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया के सम्बोधन का प्रारूप

दिनांक 16 मार्च 2024, शुक्रवार	**समय : 5.30 PM**	**स्थान : रेडिसन ब्लू, गुवाहाटी**

नमस्कार!

फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन (FLO) द्वारा नॉर्थ ईस्ट एनुअल वूमेन्स अचीवर्स अवार्ड समारोह में आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैं विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं के योगदान को स्वीकार करने और उन्हें सम्मानित करने के लिए आयोजक को धन्यवाद देता हूं।

आज इस कार्यक्रम में सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए **माननीय सांसद श्रीमती क्वीन ओजा जी** को, पहली महिला दाह संस्कार सहायक के रूप में अपने सेवा प्रदान करने के लिए **श्रीमती धृतिमाला डेका** को, योन शोषण और नशीली दवाइयों के खिलाफ जनजागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए **एफ राल्लुनचुंगी** को परस्कृत किया गया है।

इसके अलावा लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में विशेष योगदान देने के लिए रीना मुटुम और मामोनी सैकिया को भी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

यह पुरस्कार उनके नेतृत्व गुणों और समाज में उनके योगदान को मान्यता देता है। मुझे खुशी है कि सभी पुरस्कार विजेताओं ने अपने चुने हुए क्षेत्रों में खुद को प्रतिष्ठित करने में सफलता हासिल की है। मैं आज यहां एफएलओ के इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित सभी महिलाओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

देवियो और सज्जनों,

हमारी 5000 वर्ष की सभ्यता में ऋग्वेद में कहा गया है, **'जहा□नारी की पूजा होती है, वहा□भगवान निवास करते हैं।'** उपनिषद में भी कहा गया है कि **'मातृ देवा भाभा'** अर्थात् **'आपकी माता ही आपकी देवी हैं'।**

इसलिए यह सिर्फ एक आम कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह बुद्धिमत्ता और रचनात्मकता का संगम है, जहां दिमागी तर्क और मानव भावनाओं का संमश्रण है।

हमारे समाज में महिलाएँ हमेशा से ही माँ, पत्नी, समाज सुधारक और न जाने क्या-क्या सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं। बच्चों के लिए माताएं जीवन की पहली शिक्षक होती हैं और वे उन्हीं की देखरेख में बड़े होते हैं।

स्वामी विवेकानन्द ने एक बार कहा था, '**जो देश नारी का सम्मान नही□करता, वह कभी महान नही□बन सकता।**'

हमारे देश का खूबसूरत हिस्सा पूर्वोत्तर अपने मातृत्व झुकाव के लिए जाना जाता है, और इसलिए महिलाओं ने भारतीय उपमहाद्वीप के अन्य हिस्सों में रहने वाले अपने अधिकांश समकालीनों की तुलना में एक महत्वपूर्ण सामाजिक स्थान साझा करता है।

उत्तर पूर्व का राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्र तथा अन्य सभी क्षेत्रों में महिलाओं के पर्याप्त योगदान से भरा हुआ है। महान रानी गाइदिनल्यू से लेकर कनकलता बरुआ तक, दूरदर्शी चंद्रप्रभा सैकियानी से लेकर सुचिब्रता रायचौधरी तक, महान लेखिका डॉ. मामोनी रायसोम गोस्वामी से लेकर अभूतपूर्व सुर साम्राज्ञी प्रतिमा पांडे बरुआ तक, उत्तर-पूर्व की महिलाओं ने जोश, शौर्य, उत्साह और गतिशीलता के साथ अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है। ऐसे में महिलाओं की सफलता और उत्कृष्टता का जश्न मनाना अनुकरणीय है।

देवियो और सज्जनो,

महिलाओं का सशक्तिकरण देश के तीव्र सामाजिक-आर्थिक विकास की आधारशिला है। भारत प्रचुर युवा आबादी के साथ मानव संसाधनों की भारी मांग को पूरा करने की स्थिति में है। अमृत काल में विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में महिलाओं को अहम भूमिका निभानी होगी।

देवियो और सज्जनो,

मुझे बताया गया है कि 2007 में स्थापित एफएलओ नॉर्थईस्ट फिक्की (फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) के 19 चैप्टरों में से एक महिला शाखा है। यह देश भर की 6800 से अधिक महिला उद्यमियों और पेशेवरों का प्रतिनिधित्व करता है। एफएलओ अपनी प्रतिभा, कौशल और अनुभवों को प्रदर्शित करने के लिए पूरी ताकत से काम कर रहा है।

मुझे खुशी है कि इस दृष्टिकोण के अनुरूप, एफएलओ नॉर्थईस्ट पिछले 16 वर्षों से हमारे क्षेत्र की विभिन्न क्षेत्रों और भूमिकाओं में महिलाओं के कार्यों और उपलब्धियों को मान्यता दे रहा है।

मुझे आशा है कि एफएलओ नॉर्थईस्ट चैप्टर इसी तरह महिलाओं को समाज में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित और प्रोत्साहित करता रहेगा। आप सभी स्तरों पर महिलाओं को सशक्त बनाकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम करते रहेंगे।

मैं आज उपलब्धि हासिल करने वाली पांच महिलाओं को सम्मानित करने के एफएलओ के भाव को भी स्वीकार करता हूं और आशा करता हूं कि आने वाले दिनों में भी आप ऐसा करेंगे और समाज निर्माण की दिशा में अपनी प्रभावशाली भूमिका निभाना जारी रखेंगे।

मैं पुनः सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देता हूं। मैं उन लोगों, विशेषकर जूरी सदस्यों की भूमिका की भी सराहना करता हूं, जिन्होंने इसे बनाए रखा है।'

अंत में मैं कहना चाहूंगा कि आप समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपने नेतृत्व गुणों से देश को अधिक ऊंचाइयों पर ले जाएंगे और ऐसे समाज के निर्माण में योगदान देंगे, जो सच्चाई और विश्वास के सिद्धांतों पर आधारित हो।

एफलओ, नॉर्थ ईस्ट चैप्टर और यहां पुरस्कृत सभी महिलाओं के भविष्य के प्रयासों के लिए आप सभी को मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

धन्यवाद।

जय हिन्द।